क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक

क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 189, गुरुवार, 02 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दलितों के 'भारत बंद' से पहले झुकी सरकार

एससी-एसटी कानून में होगा बदलाव

कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम को अपने पुराने और मूल स्वरूप में फिर से लागू करने के लिए केंद्र सरकार संसद के इसी सत्र में संशोधन बिल पेश करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इस कानून में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल 20 मार्च के अपने फैसले में इस कानून के प्रावधानों में कई बदलाव करते हुए ऐसे मामले में आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी।

इस मुद्दे पर जहां कई दलित संगठनों ने 9 अगस्त को भारत बंद का आह्वान किया था, कई सहयोगी दलों के साथ-साथ भाजपा के भी एससी-एसटी सांसद सरकार से खासे नाराज थे। संशोधन बिल संसद में इसी हफ्ते पेश किया जाएगा। बिल में उन सभी पुराने प्रावधानों को शामिल किया जाएगा, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में हटा दिया था। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस एके गोयल ने अपने 20 मार्च के फैसले में इस कानून के तहत दायर मुकदमे में तत्काल गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। इस कानून के व्यापक दुरुपयोग का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने नई व्यवस्था में कहा था कि इस कानून के तहत एफआईआर के बाद भी गिरफ्तारी जरूरी नहीं है। एफआईआर दर्ज करने से पहले एक हफ्ते के अंदर आरोपों की जांच होगी। इसके बाद संबंधित जिले के एसएसपी या डीएसपी की अनुमति से ही एफआईआर दर्ज किया जा सकेगा। इस फैसले में यह भी कहा गया था कि अगर आरोपी सरकारी कर्मचारी है तो उसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस को पहले उसे नियुक्त करने वाली अथॉरिटी से इजाजत लेनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 2 अप्रैल को दलित संगठनों के भारत बंद के दौरान हिंसक झड़पें हुई। इसमें 12 लोगों की मौत हुई। विवाद तब बढ़ा जब इस आशय का फैसला देने वाले सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस गोयल को एनजीटी का अध्यक्ष बना दिया गया। जबकि सरकार वादे के मुताबिक कानून में बदलाव पर रोक लगाने के लिए अध्यादेश भी जारी नहीं कर पाई। इसके बाद दलित संगठनों ने एक बार फिर से 9 अगस्त को भारत बंद का आह्वान किया। इस मुद्दे पर सरकार चौतरफा दबाव में थी। दलित संगठनों की नारजागी के कारण सरकार को इस वर्ग में अपनी छवि खराब होने का भय था। इसी बीच सरकार के तीन सहयोगी दलों लोजपा, आरपीआई और रालोसपा के मोर्चा खोले, भाजपा सांसदों की ओर से मुखर विरोध जताने के बाद के बाद सरकार रक्षात्मक मुद्दे पर आ गई। दो दिन पूर्व इन तीनों दलों के 9 अगस्त को प्रदर्शन में शामिल होने की घोषणा के बाद विदेश से लौटते ही ख़ुद पीएम ने मोर्चा संभाला।

ममता ६ मोदी विरोधी नेताओं से मिलीं

नई दिल्ली, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को संसद भवन में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 15 मिनट की बैठक के दौरान ममता ने आडवाणी के पैर भी छुए। उन्होंने कहा कि मैंने आडवाणीजी से मिलकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। ममता एनडीए के तीन सांसदों से मिलीं, जिनमें आडवाणी के अलावा शिवसेना के संजय राउत और भाजपा के शत्रुघ्न सिन्हा शामिल हैं।

ममता ने मोदी विरोधी नेताओं में पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस प्रमुख एचडी देवेगौड़ा, सपा सांसद जया बच्चन, कांग्रेस सांसद अहमद पटेल और भाजपा के पूर्व नेता यशवंत सिन्हा से भी मुलाकात की। तृणमूल सुप्रीमो ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और यूपीए चेयरमैन सोनिया गांधी से भी मुलाकात की। ममता बनर्जी लोकसभा चुनाव से पहले मोदी विरोधी गठबंधन तैयार करने के लिए अलग-अलग पार्टियों के शीर्ष नेताओं से मिल रही हैं। इनमें सबसे ज्यादा 48 सीटें कांग्रेस के पास हैं, जबकि 34 सीटों के साथ तृणमूल दूसरे नंबर पर है। इसके बाद एनडीए से अलग हुई तेलुगु देशम पार्टी के पास 16 और केसीआर की पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति के 11 सांसद हैं। ममता 19 जनवरी को कोलकाता में बड़ी रैली आयोजित करेंगी। इसमें ममता विपक्ष के नेताओं को आमंत्रित कर ताकत दिखाना चाहती हैं।

आडवाणी से भी की चर्चा

ममता बनर्जी ने कहा, 2019 के चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए विपक्ष का सामूहिक नेतृत्व किया जाएगा। उन्होंने एनआरसी के मसले पर कहा- जब पड़ोसी राज्य असम दुखी है तो बंगाल के लोग क्यों आवाज नहीं उठा सकते हैं? जिसने भाजपा को वोट दिया, वे लिस्ट में हैं और जिसने नहीं दिया तो बाहर कर दिया! क्या बांग्लादेशियों के नाम इस तरह लोगों को बांटा जा सकता है? विभाजन से पहले बांग्लादेशी भी भारत के नागरिक थे, उनकी भाषा और संस्कृति हमारे जैसी ही है।

ममता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स) के मुद्दे पर असम के डिब्रुगढ़ जिले के नाहरकटिया पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। ममता पर प्रदेश के साम्प्रदायिक सद्भावना को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत बीजेपी युवा मोर्चा के तीन लोगों ने लिखवाई है।

एनआरसी से नाम हटने का मतलब मतदाता सूची से नाम कटना नहीं : ओ पी रावत

नयी दिल्ली, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) से नाम हटने का मतलब यह नहीं है कि मतदाता सूची से भी ये नाम हट जायेंगे।

असम में हाल ही में जारी एनआरसी से लगभग 40 लाख लोगों के नाम हटने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ओ पी रावत ने आज स्पष्ट किया कि एनआरसी से नाम हटने पर मतदाता सूची से स्वतः नाम कटने का अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिये। रावत ने पीटीआई भाषा को बताया कि यह एनआरसी का मसौदा है। इसके बाद अगले एक महीने में इन सभी 40 लाख लोगों को उनका नाम शामिल नहीं किये जाने का कारण बताया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद जिन लोगों के नाम एनआरसी से हटाये गये हैं, वे इस पर ट्रिब्यूनल में अपनी आपत्ति और दावे दायर कर सकेंगे। इनके निस्तारण के बाद एनआरसी का अंतिम मसौदा जारी किया जायेगा। रावत ने स्पष्ट किया कि असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अगले सप्ताह एनआरसी के अंतिम मसौदे के प्रकाशन के विभिन्न पहलुओं पर अपनी तथ्यात्मक रिपोर्ट देंगे।

उन्होंने कहा कि एनआरसी से नाम हटने का अर्थ यह नहीं है कि असम की मतदाता सूची से भी स्वतः नाम हट जायेंगे। क्योंकि जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 के तहत मतदाता के पंजीकरण के लिये तीन जरूरी तीन अनिवार्यताओं में आवेदक का भारत का नागरिक होना, न्यूनतम आयु 18 साल होना और संबद्ध विधानसभा क्षेत्र का निवासी होना शामिल है। ऐसे लोगों को मतदाता सूची में अपना पंजीकरण कराने के लिये मतदाता पंजीकरण अधिकारी के समक्ष दस्तावेजी सबूतों के आधार पर यह साबित करना होगा कि वह भारत का नागरिक है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची और एनआरसी बनाने का काम अलग अलग है लेकिन अधिकारी इस दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं। रावत ने कहा कि चुनाव आयोग की मुहिम का मकसद है कि कोई मतदाता छूट न जाये। इसके मद्देनजर असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से एनआरसी संयोजक के साथ करीबी तालमेल बनाकर 2019 के लिये मतदाता सूचियों की समीक्षा करने को कहा गया है। इसके आधार पर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिये चार जनवरी 2019 को मतदाता सूची का अंतिम मसौदा जारी किया जा सके।

रिजर्व बैंक ने रेपो दर बढ़ाई

मुंबई, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2018-19 की तीसरी मौद्रिक समीक्षा में प्रमुख ब्याज दर में 25 आधार अंकों की वृद्धि कर दी है। इसके बाद रेपो दर 6.5 फीसदी हो गई है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव लोन महंगा हो जाएगा।

आरबीआई ने एक बयान में कहा है कि बुधवार को हुई बैठक में वर्तमान और उभरती आर्थिक स्थिति के आकलन के आधार पर, मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत नीतिगत रेपो दर में 25 आधार अंकों की वृद्धि की है। इससे रेपो दर 6.5 फीसदी हो गई है। बयान में आगे कहा गया है कि इसके प्रभाव से एलएएफ के अंतर्गत रिवर्स रेपो दर 6.25 फीसदी हो गई है और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) दर और बैंक दर 6.75 फीसदी हो गई है। बैठक में जताया गया है कि वित्त वर्ष 2018-19 में देश की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहेगी।

इमरान के शपथ ग्रहण के लिए भारतीय क्रिकेटरों को न्योता

इस्लामाबाद, इमरान खान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए बॉलीवुड स्टार आमिर खान, पूर्व क्रिकेटर कपिल देव, सुनील गावस्कर और नवजोत सिंह सिद्धू को बुलावा आया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान 11 अगस्त को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। बता दें कि पाकिस्तान में 25 जुलाई को हुए चुनाव में इमरान खान की पार्टी पीटीआई को सबसे ज्यादा 116 सीटें मिली थीं, हालांकि वह बहुमत से 21 सीट दूर रह गए थे।

मराठा आरक्षण : मुंबई में जेल भरो आंदोलन

मुंबई, मराठा आरक्षण की मांग को लेकर महाराष्ट्र एक बार फिर उबलने लगा है। बुधवार को अपनी मांग को लेकर सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने पुणे-सोलापुर हाइवे को बंद कर दिया। वहीं आरक्षण की मांग को तेज करते हुए मराठा युवक।

अमित शाह की ११ को कोलकाता रैली को मंजूरी

नई दिल्ली, कोलकाता पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की 11 अगस्त को होने वाली रैली के लिए बुधवार को मंजूरी दे दी है। बता दें, इससे कुछ घंटे पहले ही अमित शाह ने ममता बनर्जी सरकार को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी थी। शाह ने ममता सरकार को चेताते हुए कहा था, मुझे मंजूरी मिलती है या नहीं ये फर्क नहीं पड़ता। मैं कोलकाता जरूर जाऊंगा। अगर राज्य सरकार चाहे तो वह मुझे गिरफ्तार कर सकती है।' रैली कोलकाता के मायो रोड़ पर आयोजित की जाएगी। कोलकाता पुलिस ने ट्वीट करते हुए लिखा है, 11 अगस्त को एक राजनीतिक पार्टी की रैली को मंजूरी को लेकर सोशल मीडिया पर कई अफवाहें चल रही हैं। हम बता देना चाहते हैं कि हमने रैली की मंजूरी पहले ही दे दी थी। मंगलवार को शाह और ममता बनर्जी ने असम के एनआरसी मामले को लेकर एक दूसरे पर निशाना साधा था। ममता बनर्जी ने इस मुद्दे को लेकर कहा था कि भाजपा लोगों को बांटने का काम कर रही है।

बिहार के मुंगेर में ११० फीट गहरे बोरवेल में गिरी बच्ची

मुंगेर, बिहार के मुंगेर में तीन साल की मासूम बच्ची सना को सकुशल बोरवेल से बाहर निकाल लिया गया है। करीब 35 घंटों तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सना को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

सना तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर बच्ची का इलाज कर रहे हैं। दरअसल मंगलवार को बच्ची घर के पास खेलते खेलते करीब 110 फीट गहरे गड्ढे में गिर गई थी। बच्ची के गिरने की खबर जैसे परिवार वालों को लगी कि परिवार में हड़कंप मच गया। आनन फानन में जिला प्रशासन और एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम बच्ची को बचाने में जुट गई । और लंबी जद्दोजहद के बाद टीम ने बच्ची को रेस्क्यू कर लिया।

३५ घंटे के बाद सकुशल बाहर निकाली गई

वहीं बच्ची के बाहर नहीं निकलने तक बच्ची की मां का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था और टीम से बच्ची को बचाने की गुहार लगा रही थी। बच्ची के माता-पिता ने जिला प्रशासन और रेस्क्यू टीम को धन्यवाद दिया। मुंगेर एसपी गौरव मंगला ने बताया कि बच्ची को बाहर निकालने के लिए टीम सक्रिय थी। वहीं मुंगेर डीआईजी ने भी बच्ची को सकुशल बाहर निकालने की उम्मीद जताई थी।

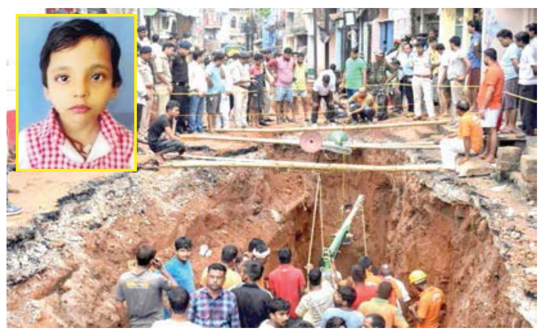

कांवड़ यात्रा के लिए गोल्डन बाबा ने पहना २० किलो सोना

नई दिल्ली, सावन के महीने में कांवड़ यात्रा में भाग लेने वाले गोल्डन बाबा याद हैं आपको, इस बार भी वो वापस अपनी 25वीं कांवड़ यात्रा में भाग लेने आ गए हैं। लेकिन खास बात यह है कि पिछली बार जहां उन्होंने 14.5 किलो की सोने की ज्वैलरी पहनी थी वहीं इस बार कहा जा रहा है कि वो 20 किलो का सोना पहनकर कांवड़ यात्रा में भाग ले रहे हैं। इतने सोने की बाजार कीमत आंकी जाए तो यह करीब 6 करोड़ रुपए है। गोल्डन बाबा का असली नाम सुधीर मक्कर है। उनका कहना है कि यात्रा पर करीब सवा करोड़ का खर्च आता है। गोल्डन बाबा गोल्डन पुरी महाराज के नाम से भी प्रसिद्ध हैं। हर साल गोल्डन बाबा की कांवड़ यात्रा में सोने की मात्रा बढ़ती जाती है। 2016 में उन्हें 12 किलो सोना पहने देखा गया था। पिछले साल 14.5 किलो सोने की क्लेशन में 21 सोने की चैन, 21 लॉकेट और एक गोल्ड की जैकेट भी शामिल थी। सोने के अलावा बाबा रोलेक्स की घड़ी पहनते हैं जिसकी कीमत 27 लाख रुपए है।

उत्तर प्रदेश में बारिश से मरने वालों की संख्या १०६ पहुंची

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश के कारण हुए हादसों में 14 और लोगों की मौत होने के साथ ही पिछले सप्ताह से ऐसी घटनाओं में मरने वालों की तादाद बढ़कर 106 हो गयी है।

आगरा एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन धंसी

आधिकारिक सूत्रों ने आज यहां बताया कि आज पूर्वाह्न 11 बजे तक प्राप्त सूचना के अनुसार प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान हुए वर्षाजनित हादसों में 14 लोगों की मौत हो गयी तथा सात अन्य घायल हो गये। उन्होंने बताया कि इस दौरान फर्रुखाबाद और बहराइच में दो-दो लोगों की मौत हो गयी जबकि खीरी, रायबरेली,लखनऊ, कानपुर देहात, बाराबंकी, सीतापुर और सुल्तानपुर में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गयी। सूत्रों के मुताबिक 14 और लोगों की मौत के साथ इस सप्ताह वर्षा जनित हादसों में मरने वालों की तादाद बढ़कर 106 हो गयी है। बाढ़ के कारण 80 पशुओं की भी मौत हुई है जबकि 600 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में भारी बारिश के कारण उपजे हालात से आम लोगों को राहत दिलाने के निर्देश दिये हैं।

उन्होंने पिछले करीब पांच दिनों से प्रदेश में हो रही बारिश के कारण जगह-जगह उत्पन्न हुई बाढ़ की स्थिति और उससे निपटना है।

'नीट' की काउंसलिंग को सुप्रीम कोर्ट ने दी इजाजत

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की काउंसलिंग प्रक्रिया पर लगी रोक को हटा दिया है। मद्रास हाईकोर्ट और बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद नीट यूजी की काउंसलिंग रोक दी गई थी। काउंसलिंग प्रक्रिया से रोक हटने के बाद मेडिकल काउंसिल कमिटी ने नीट सेकेंड राउंट सीट अलॉटमेंट का रिजल्ट भी जारी कर दिया।

गौरतलब है कि 10 जुलाई को मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच ने तमिल माध्यम से परीक्षा देने वाले सभी छात्र-छात्राओं को 196 अतिरिक्त नंबर देने का आदेश दिया था। इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने 20 जुलाई को रद्द कर दिया था। इसके बाद 19 जुलाई को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने आल इंडिया काउंसलिंग में ओबीसी आरक्षण को लेकर एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए नीट यूजी की काउंसलिंग पर रोक लगाने का आदेश दिया। इसके बाद 20 जुलाई से अब तक नीट यूजी की काउंसलिंग रुकी हुई थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया था कि वह सभी हाईकोर्ट को नीट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करने से रोक दे। सरकार ने चिंता जताते हुए कहा था कि नीट की काउंसलिंग को रुके हुए पहले ही तीन हफ्ते हो चुके हैं। अगर आगे भी इस तरह अलग-अलग हाईकोर्ट नीट काउंसलिंग पर बारी-बारी से रोक लगाते रहेंगे, तो पूरी प्रक्रिया ही खतरे में पड़ जाएगी।

ऐसा पैसा जो बहुत तकलीफ के बाद मिले, अपना धर्म-ईमान छोड़ने पर मिले या दुश्मनों की चापलूसी से, उनकी सत्ता स्वीकारने से मिले, उसे स्वीकार नहीं करना चाहिए -स्वेट मार्डन

जनसंख्या संतुलन

पहले दिन से साफ था कि असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का अंतिम मसौदा जिस दिन जारी होगा देश की राजनीति में तूफान खड़ा हो जाएगा। आखिर, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर असम में वास्तविक नागरिकों की पहचान के बाद काफी संख्या में ऐसे लोगों को बाहर होना ही था, जिनकी नागरिकता संदिग्ध हो। असम में बांग्लादेश से आने वाले विदेशी घुसपैठियों के विरुद्ध जनता का आंदोलन भूला नहीं जा सकता। आज भी यह मुद्दा जीवित है। विदेशी घुसपैठियों के कारण पूर्वोत्तर के कई इलाकों का जनसंख्या संतुलन ही नहीं बिगड़ा, बल्कि सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक जटिलताएं भी पैदा हो गई। असम में उग्रवाद का बड़ा कारण यही है। आठ जिले ऐसे हैं, जहां स्थानीय निवासियों को इसका घातक परिणाम भुगतना पड़ा है। अलग-अलग जनजातियों में इसके विरुद्ध कुछ समूहों ने हथियार उठाए हुए हैं। असम गण परिषद की सरकार इसी मुद्दे पर बनी थी, लेकिन उस समय यह काम नहीं हो सका। फलत: सरकार चली गई। भाजपा ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया। जो नेता या राजनीतिक दल इस पर हंगामा कर रहे हैं, उन्हें समझना चाहिए कि विदेशियों की छंटाई देशहित में है। यदि महापंजीयक कार्यालय कह रहा है कि 2.89 करोड़ नामों की नागरिकता मान्य है, और करीब 40 लाख का नहीं तो उसके पीछे तर्क होगा। भारत के महापंजीयक कह रहे हैं कि यह एनआरसी के अंतिम मसौदे के प्रकाशन के रूप में एक मील का पत्थर साबित होगा और एक ऐतिहासिक क्षण है तो उन पर संदेह करने का कारण नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि यह केवल अंतिम मसौदा है। सभी दावों और आपत्तियों के निपटारे के बाद समग्र एनआरसी का प्रकाशन किया जाएगा यानी जिन लोगों के नाम छूट गये हैं, वे दावों के साथ आ सकते हैं। उनकी जांच होगी। गलती है तो सुधार होगा। वैसे आज की स्थिति में पूरी तरह विदेशी नागरिकों की पहचान कठिन ही है। उनकी कई पीढ़ियां हो गई हैं। ऐसा न हो कि कोई कागजात न होने वाले भारतीय भी विदेशी की श्रेणी में आ जाएं। हो सकता है कि मूल निवासी होते हुए भी किसी आम गरीब के पास कोई संबंधित कागजात न हो। दूसरे, जो पड़ोसी देशों से अपने धर्म के कारण उत्पीड़ित होकर भगाए गए हैं, उनके प्रति सरकार को सहानुभूति से विचार करना चाहिए। कुल मिलाकर इस पर राजनीति न हो और इस आवश्यक कार्य को पूरा होने दिया जाए।

''सेवा संकल्प'

मुजफ्फरपुर के एक बालिका आश्रय गृह ''सेवा संकल्प' में नाबालिग बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की सचाई प्याज के छिलके की तरह परत दर परत खुल कर सामने आने लगी है। यह घृणित और जघन्य यौन व्यापार खुद बालिका गृह के कर्ता-धर्ता की घोर निंदनीय, अमानवीय व घृणित संलिप्तता में संबद्ध विभाग, पुलिस, प्रशासन, राजनीति और न्यायपालिका के दबंग और रसूखदार लोगों के आपसी गठजोड़ से चल रहा था। इन सबमें सर्वाधिक सालने वाली रही- नागरिक समाज की चुप्पी। यह मानने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि इस कथित अपराध का मुख्य आरोपित ब्रजेश ठाकुर एक मोहरा भर है। वास्तविकता तो यह है कि यह पूरी तरह सिस्टम का फेल्योर है। सिस्टम आपने आप में अच्छा या बुरा नहीं होता है। पुलिस, प्रशासन, राजनीति और न्यायपालिका में यदि अच्छे और ईमानदार लोग होंगे तो सिस्टम अच्छा होगा ही। अगर भ्रष्ट और बेईमान हुए तो बेशक सिस्टम खराब होगा। इन तकाजों पर इस घिनौने अपराध को परखा जाए तो निष्कर्ष यही होगा कि बिहार का सिस्टम पूरी तरह भ्रष्ट और बेईमान हो गया है। मीडिया में कड़े प्रतिरोध व विपक्षी दलों के दबाव में ही सीबीआई जांच शुरू हो सकी। इस घिनौने सामाजिक अपराध में सफेदपोश तबकों की जैसी बहुस्तरीय भागीदारी पाई गई है। ऐसे में सीबीआई जांच अगर हाईकोर्ट की देखरेख में नहीं हुई तो इसका हश्र भी 1983 के चर्चित बॉबी हत्याकांड की तरह होगा, जिसमें तब के सत्ताधारी नेता और नौकरशाहों को बेदाग बचा लिया गया था। मुजफ्फरपुर का ताजा मामला तब सामने आया, जब मुंबई की संस्था ''टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस' ने अपनी रिपोर्ट में बच्चियों के यौन शोषण का जिक्र किया। जांच में 42 में से 34 बालिकाओं के साथ बलात्कार की पुष्टि हुई। यह दो महीने पहले की बात है। लेकिन तिस पर भी समाज कल्याण विभाग की मेहरबानी देखिये कि संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के दिन ही इसे एक अन्य परियोजना की मंजूरी दे दी। फिर भी उम्मीद की जानी चाहिए कि सीबीआई अपना काम करेगी, सफेद पोश बेनकाब होंगे और सिस्टम साफ हो सकेगा।

पूर्व घटित बोफोस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तत्कालीन फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रांकोइस होलान्डे के साथ जिस स्मारपत्र पर हस्ताक्षर किया उसमें एमएमआरसीए यानी मेडियम मल्टी रोल कॉम्बैट एअरक्राफ्ट की बात है। संप्रग सरकार ने राफेल बनाने वाली दसॉल्ट कंपनी द्वारा दिए गए उस मूल्य को कभी सार्वजनिक नहीं किया जिसके आधार पर जनवरी 2012 में इसे सबसे कम बोली वाली कंपनी घोषित किया गया। सौदा इसलिए लटका रहा क्योंकि यह निर्णय ही नहीं हुआ कि 108 विमान बनाने की जिम्मेवारी हिन्दुस्तान ऐरोनौटिक्स लिमिटेड या एचएएल की होगी या फिर दस्सॉल्ट की। मोदी सरकार आने के बाद भी कुछ समय तक यह गतिरोध जारी रहा। तो सरकार ने नए सिरे से दोनों सरकारों के बीच यानी जीटूजी समझौते का निर्णय लिया।

सतीश पेडणोकर

फेल विमान सौदा को इतने बड़े विवाद का विषय बना दिया गया है कि कुछ लोगों को इसमें तीन दशक पूर्व घटित बोफोर्स दिखने लगा है। राफेल हमारी वायुसेना के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है जिसे वायुसेना प्रमुख ने भी स्वीकार किया है। तो इसे छोड़कर अन्य आरोपों पर आएं इनमें पहला है, महंगा खरीदा जाना। सरकार का दावा है कि राफेल सौदा इसमें शामिल अस्त्र पण्रालियों के साथ संप्रग सरकार द्वारा किए गए मोलभाव से काफी कम में हुआ है। ध्यान रखने की बात है राफेल सौदा आपातकालीन खरीद प्रक्रिया के तहत हुई है।

वायुसेना द्वारा लड़ाकूविमानों की आवश्यकता बार-बार जताने के बावजूद खरीदा नहीं गया। संप्रग सरकार 2004 से 2014 तक विमान का सौदा नहीं कर सकी। 2015 आते-आते वायुसेना ने आपातकालीन आवश्यकता जता दी थी। इसलिए इसको टाला जाना हमारी रक्षा स्थिति पर क्या असर डाल सकती थी इसकी कल्पना करिए। जो स्थिति थी या है, उसमें भारत को सीधे शस्त्रास्त्र युक्त उड़ान भरने वाली स्थिति में विमान चाहिए। इसलिए वायुसेना की सहमति से 36 खरीदने का सौदा हुआ, पूर्व सरकार की योजनानुसार 126 का नहीं कांग्रेस का यह आरोप कैसे मान लिया जाए 2012 में 126 राफेल की तय कीमत से ज्यादा दी गई है। जब संप्रग सरकार ने सौदा किया ही नहीं तो तुलना कैसे की जा सकती है। अप्रैल 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तत्कालीन फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रांकोइस होलान्डे के साथ जिस स्मारपत्र पर हस्ताक्षर किया उसमें एमएमआरसीए यानी मेडियम मल्टी रोल कॉम्बैट एअरक्राफ्ट की बात है।

संप्रग सरकार ने राफेल बनाने वाली दसॉल्ट कंपनी द्वारा दिए गए उस मूल्य को कभी सार्वजनिक नहीं किया जिसके आधार पर जनवरी 2012 में इसे सबसे कम बोली वाली कंपनी घोषित किया गया। सौदा इसलिए लटका रहा क्योंकि यह निर्णय ही नहीं हुआ कि 108 विमान बनाने की जिम्मेवारी हिन्दुस्तान ऐरोनौटिक्स लिमिटेड या एचएएल की होगी या फिर दस्सॉल्ट की। मोदी सरकार आने के बाद भी कुछ समय तक यह गतिरोध जारी रहा। तो सरकार ने नए सिरे से दोनों सरकारों के बीच यानी जीटूजी समझौते का निर्णय लिया। तब तक आपातस्थिति आ गई थी और सरकार ने वायुसेना से पूछकर 36 को सभी आवश्यक शस्त्र पण्राली के साथ खरीदने का फैसला किया। विमान व इसके अस्त्रों व आवश्यकता के अनुरूप परिवर्तन को मिलाकर करीब 75 हजार करोड़ रुपया का सौदा दिखाई देता है। कुछ विशेषज्ञों ने हिंसाब लगाया है कि सभी उपकरणों और परिवर्तनों को मिला दें तो यह संप्रग की तुलना में 59 करोड़ रु पया प्रति यान कम है। रक्षा राज्य मंत्री ने 12 मार्च को इससे जुड़े उपकरणों, भारत के लिए विशेष रूप से किए जा रहे बदलावों, इसके मेन्टनेंस एवं सर्विस आदि को छोड़कर 670 करोड़ रु पये प्रति विमान बताया था। इसमें हवा से हवा में मार करने वाली मेत्योर मिसाइल, हवा से धरती पर मार करने वाली स्कैल्प क्रूज मिसाइल शामिल हैं। ये एमएमआरसीए के मूल समझौते में नहीं थी। इसका अर्थ है कि वायुसेना ने जैसे-जैसे आवश्यकता बताई है वैसे-वैसे उनके जुड़ने से दाम में अंतर आते गए हैं। जब आप दाम सार्वजनिक करेंगे तो आपको यह भी बताना होगा कि किस-किस उपकरण के लिए कितने दाम लगे हैं। क्या यह उचित होगा? राहुल गांधी ने 17 जुलाई को लोक सभा में अविास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कहा कि जब हमने फ्रांस के राष्ट्रपति से पूछा कि क्या इसमें कोई गोपनीय सौदा है तो उन्होंने कहा कि ऐसा कोई गोपनीय समझौता नहीं है। इंडिया टुडे ने मैक्रां से साक्षात्कार में पूछा था कि राफेल सौदे को सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा सकता है? मैक्रों का जवाब था-सबसे पहले आपके पास ये व्यावसायिक समझौते हैं और स्पष्टत: आपके प्रतिस्पर्धी भी हैं और हम उन्हें व्यावसायिक जानकारी जानने नहीं दे सकते। भारत में और फ्रांस में जब सौदा काफी संवेदनशील है, हम इसे व्यावसायिक कारणों से सार्वजनिक नहीं कर सकते। दूसरे, भारत सरकार इस पर बातचीत कर रही है और उन्हें इस पर विचार करना है कि वे कौन सी जानकारी संसद और विपक्ष को देना चाहेंगे। मैं इन वार्ताओं में हस्तक्षेप करने वाला कोई नहीं होता और आपको यह समझना होगा कि हमें व्यावसायिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना है। इंडिया टुडे का साक्षात्कार और राहुल गांधी के बयान विरोधाभासी हैं। राफेल से जुड़ा एक बड़ा आरोप और है। वह है एचएएल से लेकर यह सौदा एक निजी कंपनी को दे दिया गया और जैसा राहुल गांधी कह रहे हैं। इससे कंपनी को 45 हजार करोड़ रुपये का लाभ हो गया जबकि उनके अनुसार उसने जीवन में एक विमान नहीं बनाया है। अनिल अंबानी का रिलायंए डिफेंस दस्सॉल्ट का भारतीय साझेदार अवश्य बना है लेकिन इसमें राफेल विमान का निर्माण शामिल नहीं है। इसे कंपनी अपने मूल स्थान में ही बनाएगी। सौदे के अनुसार दस्सॉल्ट को राफेल से प्राप्त राशि का 50 प्रतिशत भारत में निवेश करना है तो वह भारतीय कंपनियों के साथ निवेश करेगी । आप दस्सॉल्ट एविएशन का अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि दस्सॉल्ट रिलायंस साझेदारी भारतीय उद्योगों के साथ की गई 72 साझेदारियों में से एक है। इसमें स्नेक्मा एचएएल ऐरोस्पेश इंजन के पुर्जे के लिए, सैम्टेल कॉकपिट डिस्प्ले, गोदरेज, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा एडवांस्ट सिस्टम आदि शामिल है। 27 अक्टूबर 2017 को अनिल अंबानी और दस्सॉल्ट के सीईओ एरिक ट्रैप्पिएर ने जिस फैक्ट्री की नींव रखी उसमें दस्सॉल्ट रिलाएंस एरोस्पेश लिमिटेड के तहत फाल्कन जेट के पूर्जे बनाए जाएंगे। हम चाहे न चाहे ऐसी साझेदारी विश्वसनीय कंपनियों के साथ ही होता है। चौथा विवाद यह है कि सौदे के पहले सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडीय समिति यानी सीसीएस का अनुमोदन नहीं लिया गया। रक्षा खरीद प्रक्रिया के अनुसार 3000 करोड़ रु पए से उपर के सारे सौदे का सीसीएस द्वारा अनुमोदन कराना अनिवार्य है। सौदे की घोषणा मोदी द्वारा फ्रांस में कर दी गई एमओयू पर अप्रैल 2015 में हस्ताक्षर हो गया जबकि उसके 16 महीने बाद 24 अगस्त 2016 को सीसीएस का अनुमोदन हुआ। ध्यान रखने की बात है कि वास्तविक सौदा फ्रांस के रक्षा मंत्री जीन य्वेस ल द्रिआन और तत्कालीन भारत के रक्षा मंत्री मनोहर पींकर के बीच नई दिल्ली में 23 सितंबर 2016 को हस्ताक्षरित हुआ। अप्रैल 2015 में विमान खरीदने का इरादा जताया गया था। खरीदने का इरादा जताने के लिए सीसीएस की अनुमति आवश्यक नहीं है।

चलते चलते

सोशल मीडिया

बगीची पै नीरज जी की सद्धांजलि सभा कब करवायगौ ?-आप तो कहते हैं, पूरा देश मेरी बगीची है! सोशल मीडिया से पता चलता है कि हजारों स्मृति सभाएं हो रही हैं। ऐसा मैंने पहली बार देखा कि किसी कवि के महाप्रयाण पर गलियों-गलियारों में गांवों में, कस्बों में, नगरों में, देश-देशांतर में हजारों श्रद्धांजलि सभाएं हो रही हैं। एक बड़ा सा फ्लैक्सी चित्र निकलवाना आज मुश्किल नहीं रह गया है। नेपय में चित्र लगाकर कितनी ही स्थानीय संस्थाएं सभाएं आयोजित कर रही हैं। मोबाइल से फोटो खिंचे और फट से व्हाट्सएप पर आ गए। इससे पता लगता है कि वे कितने लोकप्रिय और जनिप्रय थे। कितनी सरलता से लोगों के हृदय में प्रवेश कर जाते थे। कहां-कहां भई सभा, कछू तौ बता!-कवि सम्मेलन समिति द्वारा एक काव्यांजलि सभा आयोजित हुई हिन्दी भवन में। हॉल में शत-प्रतिशत मंचीय कवि थे। श्रद्धांजलियां कविता में ही दी जा रही थीं। नीरज जी की कविताओं का पाठ हो रहा था। सबके पास नीरज जी से जुड़े संस्मरण थे। चचा, सभाओं का आयोजन परिवारीजन तो कराते ही हैं, विशेष बात यह है कि कस्बों की नगरपालिकाएं, वाचनालय, विद्यालय, महाविद्यालय, सामाजिक संस्थाएं, समाचारपत्र-पत्रिकाएं, रोटरी क्लब, लॉयंस क्लब, काव्य-मंडल, साहित्य सम्मेलन, भाषा परिषदें और न जाने कितने साहित्यिक संगठन अपने कवि को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। आजादी के बाद ऐसा अब तक नहीं देखा।-इत्ते प्रेम कौ असल कारन बता।-कारण यह है कि उन्होंने इंसान के बारे में सोचा। वे ऐसा मजहब बनाना चाहते थे, जिसमें इंसान, इंसान को प्यार करे। वे प्यार के अप्रतिम गायक थे। देश को प्यार करते थे। विघटन के स्वर उन्हें बिल्कुल नापसंद थे। इसीलिए उन्हें समाज का हर वर्ग चाहता था। एक सभा दिल्ली के आईआईसी सभागार में हुई। क्षमता से अधिक संभ्रांत लोग आ गए। कुर्सियां थीं नहीं। मैंने कहा नीरज जी की स्मृति की गोद में बैठने की ललक हो, तो आगे आइए, गलियारे में बैठिए। आपका स्वागत है। गलियारे भी भर गए चचा। वे नीचे बैठ गए क्योंकि उनके हृदय में नीरज बैठे थे।

किसी कवि के महाप्रयाण पर गलियों-गलियारों में गांवों में, कस्बों में, नगरों में, देश-देशांतर में हजारों श्रद्धांजलि सभाएं हो रही हैं। एक बड़ा सा फ्लैक्सी चित्र निकलवाना आज मुश्किल नहीं रह गया है। नेपय में चित्र लगाकर कितनी ही स्थानीय संस्थाएं सभाएं आयोजित कर रही हैं। मोबाइल से फोटो खिंचे और फट से व्हाट्सएप पर आ गए। इससे पता लगता है कि वे कितने लोकप्रिय और जनिप्रय थे।

तापमान में बढ़ोतरी

तापमान में दिनोंदिन हो रही बढ़ोतरी ने अभी तक के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। इससे जहां दुनिया भर के वैज्ञानिक चिंतित हैं, वहीं बढ़ते तापमान के आंकड़ों के आधार पर विश्लेषकों का मानना है कि यदि यही हाल रहा तो आने वाले समय में धरती का अधिकांश भूभाग आग के गोले में तब्दील हो सकता है। हालात इतने विषम हैं कि इस साल अकेला भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया भीषण गर्मी की चपेट में है। विडम्बना यह कि आमतौर पर हमेशा ठंडे रहने वाले यूरोप के देश भी गर्मी से बेहाल हैं। पिछले पखवाड़े में तो उत्तरी अमेरिका, कनाडा, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, यूरोप, ब्रिटेन और मध्य पूर्व के कई शहर तापमान के उच्चतम स्तर पर रहे हैं। यही नहीं साइबेरिया और आर्कटिक जैसे सर्द इलाके भी तापमान बढ़ोतरी के मामले में शीर्ष पर रहे हैं। उत्तरी अमेरिका के कैलीफोर्निया में 111 डिग्री फॉरेनहाइट तापमान दर्ज किया गया जो महाद्वीप पर अब तक का सर्वाधिक तापमान था। यह तापमान में बढ़ोतरी का ही नतीजा है कि अंटार्कटिका की बर्फतेजी से पिघलने की वजह से समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी का खतरा दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया के तकरीब 84 वैज्ञानिकों के शोध में यह खुलासा हुआ है कि बीते चार सालों में अंटार्कटिका की बर्फतीन गुणा ज्यादा तेज गति से पिघली है। आंकड़े गवाह हैं कि साल 2012 में जहां औसतन 7600 मीट्रिक टन बर्फ हर साल पिघल रही थी, वहीं अब उसकी रफ्तार 21900 करोड़ मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। बीते 25 सालों में तीन लाख करोड़ मीट्रिक टन से ज्यादा बर्फपिघल चुकी है। वहीं बीते 25 सालों में समुद्र का जलस्तर भी सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ा है। वैज्ञानिक भी इस तेजी से अंटार्कटिका की बर्फ पिघलने से हैरान हैं। बर्फ पिघलने से समुद्र तटों पर तूफान और बाढ़ की आशंका बढ़ जाती है। समुद्र के जलस्तर बढ़ने से चीन के शंघाई से लेकर अमेरिका के मियामी और न्यूयार्क, जापान के ओसाका और ब्राजील के रियो तक के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। तापमान में बदलाव का प्रभाव स्वास्थ्य, कृषि और जल स्रोतों पर स्पष्टत: नजर आने लगे हैं। यह बदलाव भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। असलियत तो यह है कि आज भी देश के 35 जिलों यथा जयपुर, आईजोल, भीलवाड़ा, झालावाड़, पश्चिमी त्रिपुरा, शिवपुरी और गुना आदि जिलों के तकरीब 3.6 करोड़ लोग पहले से ही चार डिग्री से भी अधिक जलवायु में जिंदगी गुजार रहे हैं। यहां पर औसत बारिश तकरीब 86 मिमी. कम हो गई है और गर्मी और सर्दी के बीच खाई भी लगातार घटती जा रही है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफट्रॉपिकल मीटरोलॉजी (पुणो) के अनुसार सर्दियों का मौसम अब सिकुड़ने लगा है। जो पहले करीब 90 दिनों का होता था, वह अब घटकर केवल 65-70 दिनों का होकर रह गया है। अब तो सर्दियों में बारिश घट रही है। पहाड़ी राज्यों में तो अप्रैल के महीने में बर्फबारी चौंकाती है। इसके बावजूद ग्लेयिरों का पिघलना जारी रहता है। आईआईएम अहमदाबाद की मानें तो देश के सर्वाधिक प्रभावित दस राज्यों- उत्तर प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, पंजाब, चंडीगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 346 ऐसे जिलों की पहचान की गई है, जो मौसम के बदलाव के चलते 2045 तक सूखे के सबसे ज्यादा शिकार होंगे। विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि यदि भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पेरिस और अन्य प्रावधानों को लागू नहीं किया तो 2050 तक तापमान में बढ़ोतरी 1.5 से लेकर 3.00 डिग्री तक हो सकती है। उस समय स्थिति और भयावह हो जाएगी।

सत्संग

जीवन की प्रकृति

हम किसी प्रियजन को खोते हैं, चाहे उनकी बीमारी या मृत्यु हो जाए या वे छोड़ कर चले जाएं-चाहे हम किसी भी वजह से उन्हें खोएं, सबसे बड़ी समस्या होती है कि हमारे जीवन में उनकी जो जगह थी, उसमें वे खालीपन छोड़ जाते हैं। हमें समझना चाहिए कि जीवन की प्रकृति ही ऐसी है कि आपको और आपके प्रियजनों को कभी न कभी मृत्यु का शिकार होना ही है। बात बस यह है कि किसकी मृत्यु पहले होगी। सुनने में कठोर लग सकता है, लेकिन मेरा मकसद यह नहीं है। हमारे लिए जानना महत्त्वपूर्ण है कि हम और हमारे आसपास के लोग यहां हमेशा नहीं रहने वाले। समस्या यही है कि एक डॉक्टर आपसे कहता है कि आप कल मरने वाले हैं, तो हर कोई आपसे अच्छे पेश आता है। अगर आप कहते हैं, ''पचास साल बाद मैं मरने वाला हूं', तो ज्यादातर लोग परवाह नहीं करेंगे। लेकिन हम नहीं जानते कि हम पचास साल बाद मरेंगे या कल। आप जानते हैं कि आप भी मरेंगे और वे भी। बस यह नहीं जानते कि ऐसा कब होगा? इसलिए क्या आपको उनसे अच्छा व्यवहार नहीं करना चाहिए? मैं आपसे अच्छे से पेश आ रहा हूं क्योंकि जानता हूं कि आप मरने वाले हैं। कभी-कभी मैं जानता हूं कि आप कब मरेंगे, कई बार नहीं जानता कि आप कब मरेंगे। मैं बस यह पक्का कर रहा हूं कि मैं आपसे अच्छा व्यवहार करूं क्योंकि आप एक मरने वाले इंसान हैं। कौन जानता है कि आपके घर के बाहर मौजूद पेड़ कब मरेगा या आप कब मरेंगे? आप नहीं जानते। इसलिए जब कोई ऐसा इंसान गुजर जाता है, जो हमें प्रिय होता है, तो पहली बात हमें यह समझनी चाहिए कि वे इसलिए हमें प्यारे होते हैं क्योंकि उन्होंने किसी न किसी या शायद बहुत से रूपों में हमारे जीवन में कुछ जोड़ा होता है। अगर हमारे आस-पास के लोगों ने हमारे जीवन को बेहतर बनाया है, और हम उन्हें याद करते हैं, तो हमें उन्हें खुशी के साथ याद करना चाहिए। उनकी रवानगी को दुखद नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने हमारे जीवन को बेहतर बनाया, हमारे साथ अपनी मिठास बांटी, उसके लिए हमें उनकी कद्र करनी चाहिए। किसी न किसी रूप में कई बार उन्होंने आपको संपूर्ण महसूस कराया, उन्होंने आपके जीवन को पूर्ण किया। उनकी यादों को आपके लिए खुशी और प्रेम के आंसू लेकर आना चाहिए, पीड़ा के नहीं।

फोटोग्राफी...

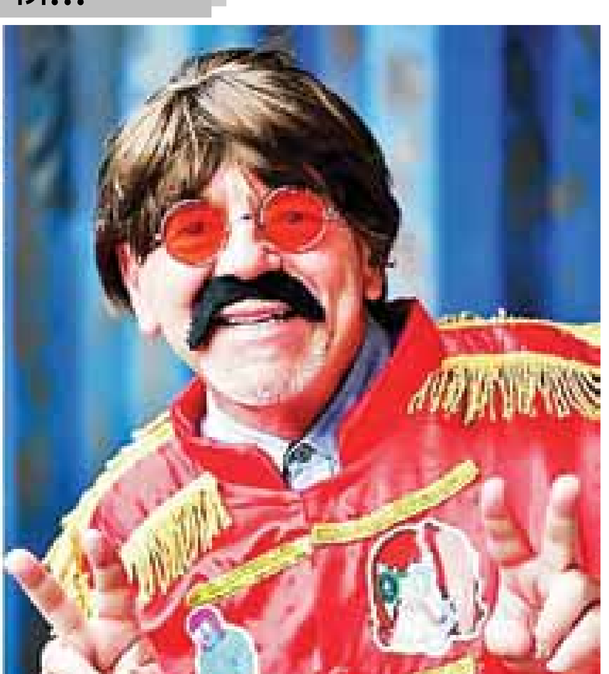

हम भी हैं जोश में... लिवरपूल में इकट्ठा हुए बीटल्स फैंस ...

...ब्रिटिश शहर लिवरपूल में हुए एक इवेंट में रविवार को पॉप बैंड बीटल्स के सिंगर्स के फैंस सिंगर्स की तरह ही तैयार होकर आए। यह इवेंट एक साथ इकट्ठा हुए बीटल्स फैंस का गिनीज रिकॉर्ड बनाने के लिए हुआ था।

संक्षिप्त

सहायक शाखा प्रबंधक को दी गई विदाई

महराजगंज, पूर्वांचल बैंक की स्थानीय शाखा के सहायक शाखा प्रबंधक प्रदीप गुप्ता के स्थानांतरित होने पर यहां बैंक परिसर में कर्मियों व क्षेत्र के प्रबुद्धजनों द्वारा आयोजित समारोह में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। वक्ताओं ने उनके सफल व सुखद जीवन की कामना की। इस मौके पर शाखा प्रबंधक सुजाता चंद्रा द्वारा गीता व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक सुजाता चंद्रा, अमर चंद मझवार, राकेश गुप्ता,आरएम आफिस महराजगंज के विनय लाल श्रीवास्तव,अनीश आलम,संगम श्रीवास्तव, नवीन कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

अधेड़ की संदिग्ध मौत

कौशांबी, पंइसा थाना क्षेत्र के नंदा का पूरा गांव में एक अधेड़ की संदिग्ध हालात में मौत हो गई उसका शव खेत में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया है। थाने गांव निवासी रमेश पाल (४५) पुत्र देशराज पाल मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। कल सुबह खाना खाकर नंदा का पूरा गांव की ओर गया था। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। इस दौरान रमेश पाल का शव गांव के बाहर एक धान के खेत में पड़ा मिला। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिवार वालों से पूछताछ के बाद शव कब्जे में ले लिया।

बारिश में गिरी बाउंड्रीवाल

गोंडा, मानक को दरकिनार करके बनाई गई ब्लाक परिसर की चहारदीवारी दो वर्ष पूर्व पशु चिकित्सालय के सामने गिर गई थी। जिसका अब तक निर्माण भी नहीं हो पाया था। इसी परिसर की चहारदीवारी राजकीय बीज भंडार के सामने बरसात में भरभरा कर गिर गई। चहारदीवारी गिर जाने से परसपुर ब्लाक, नगर पंचायत कार्यालय, बाल विकास परियोजना कार्यालय व पशुचिकित्सालय असुरक्षित हो गया है। बीडीओ बीपी सिंह ने कहा कि चहारदीवारी के आगे ब्लाक के अंदर गड्ढा था इसलिए गिर गया है। जल्द इसका निर्माण शुरू कराया जाएगा।

विषैले जंतु के काटने से बच्चे की मौत

मोढ़ (भदोही), क्षेत्र के कोकलमऊ (देईपुर) गांव में पांच वर्षीय बालक की जहरीले जंतु के काटने से मौत हो गई। घटना कल देर रात की है। मासूम की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी संतोष सरोज का पुत्र आयुष शाम को घर के बाहर खेल रहा था। इसी बीच किसी विषैले जंतु ने काट लिया। परिजनों को जब तक यह बात पता लगती तब तक उसकी हालत बिगड़ चुकी थी। परिजन उसे रजपुरा स्थित एक निजी अस्पताल ले गए जहां पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

नशे की गिरफ्त में फंस रहे युवा

अंबेडकरनगर, थाना क्षेत्र के बाजारों में बिक रही चरस नौजवानों की जिंदगी चौपट कर रही है। खास बात है कि जिम्मेदारों को इसकी जानकारी तक नहीं है। अब तक सैकड़ों युवा इस भयानक नशे की गिरफ्त में फंस चुके हैं। ज्ञात हो कि थाना क्षेत्र के सुरहुरपुर, सहाजतपुर, मालीपुर, धौरूवा और खजुरी बाजार में थाना क्षेत्र के ही निवासी चरस बेचा जा रहा है। गांजा पीने के शौकीनों को पहले इस चरस को मुफ्त में पिलाया जाता है। महज दो दिन चरस लेने के बाद ही लोग आदी हो जा रहे है और तीसरे दिन ही चरस खोजना शुरू कर देते है। सीओ अमर बहादुर चरस नामक ड्रग के बाबत पूछने पर चौंक गए। बताया कि इस ड्रग का क्षेत्र में बिकने की जानकारी नहीं है, जांच करूंगा।

ट्रक की चपेट में आने से किशोर की मौत

अमेठी, संग्रामपुर थानाक्षेत्र के चुरावनपुर गांव निवासी मनी राम पुत्र करण (१५) साइकिल से जा रहा था। विषेसरगंज बाजार के पास कालिकन मार्ग से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल को टक्कर मार दिया। हादसे में उसकी मौके पर मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। प्रभारी निरीक्षक जेबी पांडेय ने बताया कि सूचना मिली है। पुलिस बल मौके पर भेजा गया है।

चोरों ने दो घरों में लगाई सेंध

सिद्धार्थनगर, मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरा बाबा में देर रात चोरों ने दो घरों में सेंध लगाई। गहनों व नकदी पर हाथ साफ किया। चोरों ने गांव निवासी दुलारे के घर में पीछे की दीवार में सेंध लगाई। मंगलसूत्र, झाला, पायल के साथ 15 हजार नकदी उड़ा दिया। विमल के घर से झाला, मंगलसूत्र, नथिया, पायल व एक हजार नकदी पर हाथ साफ किया। ग्रामीणों ने चोरी की सूचना 100 नंबर पर दी। इस संबंध में एसओ मिश्रौलिया मनोज कुमार सिंह ने कहा कि अभी तहरीर नहीं मिली है, पुलिस जांच में जुटी है।

करंट से युवक की मौत

गाजीपुर, दिलदारनगर थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव में रात करंट की चपेट में आने से जुगनू अंसारी (३८) की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जुगनू अंसारी देर शाम अपने मकान के पास स्थित बागीचे में निराई-गुड़ाई काम कर रहे थे। इसी दौरान बिजली के खंभे से तार टूटकर नीचे गिर गया। उससे बचने के प्रयास में उनका पैर तार के स्पर्श में आ गया जिससे वह गंभीर रुप से झुलस गए। यह देख आस-पास के खेतों में काम कर रहे मजदूरों ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने किसी तरह से आपूर्ति बंद कराकर इलाज के लिए उन्हें निजी अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

आग से हजारों की संपत्ति जलकर राख

अंबेडकरनगर, महरुआ थाना क्षेत्र के गांव बहरी स्थित एक घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। इसमें हजारों की संपत्ति जलकर राख हो गई। ग्रामीणों के घंटों प्रयास के बाद आग बुझाई जा सकी। गृहस्वामी ने गांव के ही एक व्यक्ति पर जानबूझकर आग लगाने का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर दी है। उक्त गांव निवासी सरजू प्रसाद का परिवार देर रात खाना खाकर सो रहा था।

असम में 'हाथी' नहीं बन सकेगा बसपा का साथी

वाराणसी, बहुजन समाज पार्टी का 'हाथी' चुनाव अभियान पर निकला तो क्या गुल खिलाएगा यह तो आने वाला समय बताएगा, लेकिन बसपा का 'हाथी' चुनावी बिसात पर असम में पैदल हो जाएगा। कोशिश के बावजूद वहां पर पार्टी हाथी की सवारी नहीं कर पाएगी। समस्या कद-बूते की नहीं बल्कि तकनीकी बाधा की है। असम की क्षेत्रीय पार्टी असम गण परिषद पहले से ही वहां पर हाथी की सवारी कर रही है। चुनाव आयोग से उसे यही सिंबल मिला है। अधिवक्ता और बीएचयू के विधि स्नातक सौरभ तिवारी द्वारा आरटीआई के तहत मांगी जानकारी में चुनाव आयोग ने यह बात कही है। आयोग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वर्तमान में देश में सात राष्ट्रीय राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, एनसीपी, बीएसपी, तृणमूल कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया और कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया (मार्क्सवादी) हैं। राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते बसपा को देश के किसी भी राज्य में चुनाव लड़ने का अधिकार है। हालांकि बसपा की मुसीबत असम में बढ़ जाती है। इसे असम में हाथी चुनाव चिह्न

नहीं मिल सकता। आयोग ने बताया है कि बसपा को असम में हाथी की जगह आयोग के सुझाए चिह्नों में किसी एक को चुनना होता है। चुनाव आयोग ने जवाब में चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 का हवाला दिया है। इस नियम की धारा 6 (बी) के अनुसार किसी दल को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा तब दिया जाता है जब उस पार्टी ने लोकसभा या विधानसभा चुनाव में चार या चार से अधिक राज्यों में चुनाव लड़ते हुए हर राज्य में कुल वैध मतदान का छह फीसद या इससे अधिक वोट पाया हो। साथ में कम से कम चार प्रत्याशी लोकसभा के लिए चुने गए हों। राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए दूसरी शर्त यह है कि संबंधित दल ने चुनाव में लोकसभा की कुल सीटों में से दो प्रतिशत सीट जीती हो। साथ ही उसके उम्मीदवार कम से कम तीन राज्यों से चुनकर आए हों। तीसरी शर्त के अनुसार पार्टी के पास कम से कम चार राज्यों में स्टेट पार्टी का दर्जा होना चाहिए। इन तीनों में से किसी भी एक शर्त को पूरा करने पर भारत निर्वाचन आयोग उक्त दल को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दे देता है। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को चुनाव आयोग ने सितंबर 2016 में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिया। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में स्टेट पार्टी का दर्जा पाया था।

फूड प्वाइजनिंग से महिला की मौत

इलाहाबाद, शहर के मीरापुर इलाके में कल फूड प्वाइजनिंग से कुमकुम मालवीय (४८) की मौत हो गई, जबकि उनके पति अभय मालवीय, बेटी भाव्या और बेटे माधवन की हालत गंभीर है। एसआरएन अस्पताल में तीनों का उपचार चल रहा है। पूरे परिवार ने रात सत्तू का पराठा खाया था। सुबह सभी को उल्टियां और दस्त होने लगीं। कुमकुम की इतनी वीकनेस हुई कि वह बाथरूम में गिर गईं और सिर में गंभीर चोट लगी। अस्पताल पहुंचने पर उनकी मौत हो गई। फूड प्वाइजनिंग सत्तू के पराठे से हुई या बाहर का कुछ खाने से यह साफ नहीं हो सका। तीनों की हालत गंभीर होने की वजह से पुलिस बयान नहीं दर्ज कर सकी। अतरसुइया थाना क्षेत्र के मीरापुर इलाके में रहने वाले अभय मालवीय (५२) कंपोजर हैं। उनकी बेटी भाव्या उर्फ सिमसिम (२२) ने बीटेक किया है। बेटा माधवन (२०) प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। अभय परिवार संग रिश्तेदारी में हंडिया गए थे। शाम को वहां से लौटे तो बाजार से कुछ खाना लेते आए। पत्नी कुमकुम ने सत्तू का पराठा बनाया। चारों ने खाना खाया और सो गए। रात में तबीयत बिगड़ने लगी। कुमकुम और

तीन लोग गंभीर

सिमसिम को उल्टी हुई। सभी ने किसी प्रकार रात गुजारी। सुबह तबीयत और बिगड़ने लगी। अभय बाहर जाकर दवा ले आए। इसके बाद भी उल्टियां और दस्त बंद नहीं हुए। दोपहर कुमकुम बाथरूम गईं तो सुधबुध खो बैठीं। गिरने से उनके सिर में चोट आ गई। इसके बाद अभय ने रिश्तेदारों को फोन कर बुलाया। कुमकुम को पास के अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें एसआरएन रेफर किया गया। रास्ते में ही महिला की मौत हो गई। उधर, पति, बेटे-बेटी की हालत भी धीरे -धीरे बिगड़ने लगी। सिमसिम घर में गिरकर बेहोश हो गई तो रिश्तेदार और मुहल्ले के लोग तीनों को एसआरएन अस्पताल लाए। उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ। खबर पाकर सीओ कुर्सी माधव पहुंच गए। उन्होंने रिश्तेदारों से पूछताछ की तो रिश्तेदार और मुहल्ले के लोग तीनों के बीमार होने की बात सामने आई। सीओ के मुताबिक, अब तक की जांच में फूड प्वाइजनिंग की बात ही सामने आई है। अतरसुइया थाना प्रभारी के मुताबिक, आत्महत्या की कोशिश जैसी कोई बात सामने नहीं आई। मामला सीधे फूड प्वाइजनिंग का है। सत्तू के पराठे के अलावा बाहर से भी कुछ खाना आया था।

सेमरी प्राथमिक विद्यालय में २२ परिवारों ने ली शरण

आजमगढ़, महराजगंज विकास खंड के सेमरी गांव जलमग्न हो जाने से गांव के २२ परिवार गांव के प्राथमिक विद्यालय में शरण ली है। बारिश के कारण जनपद की सभी नदियां उफान पर हैं। घाघरा का जलस्तर में बढ़ोत्तरी एवं घटोत्तरी के साथ घटाव पर है। इससे

थोड़ी राहत जरूर है लेकिन घाघरा नदी पूरी तरह से उफनाई हुई है। बाढ़ आने के बाद देवारावासियों पर तबाही मचाना शुरू कर देगी। पिछली बार बाढ़ के मंजर को देखकर देवारावासी सहमे हैं। घाघरा ने अपनी चपेट में महराजगंज ब्लाक के सेमरी गांव को ले लिया है। गांव के लोग घर छोड़ प्राथमिक विद्यालय में शरण लिए हुए हैं। सेमरी प्राथमिक विद्यालय से मात्र 90 मीटर की दूरी पर कटान जारी है। कभी भी विद्यालय कटान की जद में आ सकता है। वहीं हरैया ब्लाक के देवारा खास राजा के मुराली का पूरा व त्रिलोकी का पूरा में खेती योग्य जमीन के साथ-साथ आबादी की जमीन भी घाघरा नदी में समाहित होती जा रही है। नदी अपने तटीय गांव देवारा के अचलनगर, देवारा किता राम दुबे, देवारा राम सरन दुबे, देवारा आंचल सिंह, देवारा गरीब दुबे, देवारा भिक्षुक दास सहित आदि दर्जनों गांव में नदी कृषि योग्य भूमि की कटान हो रही है। इन गांवों में संपर्क मार्ग अभी डूबे हुए हैं। खरैलिया ढाला से सोनौरा संपर्क मार्ग, मानिकपुर से मानिकपुर नई बस्ती संपर्क मार्ग, शाहडीह से बाका बुढ़नपट्टी संपर्क मार्ग, हाजीपुर से चक्की हाजीपुर जाने वाले मार्ग डूब जाने से आवागमन बाधित हो रहा है। अभी तक खरैलिया से सोनौरा संपर्क मार्ग पर नाव नहीं लगाई गई है। इससे लोगों को आवागमन बाधित है। कल सुबह डिघिया गेज पर जलस्तर 70.46 मीटर रहा जबकि शाम को 70.44 मीटर पर दर्ज किया गया। बदरहुआ गेज पर सुबह 71.32 मीटर रहा जबकि शाम को 71.29 मीटर पर दर्ज किया गया।

बारिश से दीवार ढही एक की मौत

अमेठी, बरसात के चलते स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ओझा का पुरवा मजरे रायपुर फुलवारी गांव में एक कच्चे मकान की दीवार ढह गई। इससे मकान पर रखा छप्पर भी भरभराकर गिर गया। इससे छप्पर के नीचे सो रहा प्रौढ़ मलबे में दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। कोतवाली के गांव निवासी रामधनी यादव रात घर के छप्पर में सो रहा था। छप्पर की कच्ची दीवार गिर गई। दीवार के मलबे में दबने से प्रौढ़ घायल हो गया। बूढ़ी पत्नी और एक बालक ने ग्रामीणों की मदद से उसे बाहर निकाला। तब तक उसकी मौत हो गई थी, लेकिन परिजन उसे इलाज के लिये सीएचसी ले गये जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुनील पांडेय ने घटना की जानकारी लेखपाल को दी।

घरवालों को बंधक बना भैंस खोल ले गए बदमाश

भदैंया (सुल्तानपुर), कोतवाली देहात के महायतपुर गांव रात बेखौफ बदमाश परिवारीजनों को बंधक बनाकर पशुशाला से भैंस खोल ले गए। सुबह पड़ोसियों की मदद से परिवारीजनों को बाहर निकाला जा सका। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कोतवाली देहात क्षेत्र अंतर्गत महायतपुर (दुबेपुर) गांव निवासी मूलचंद सोनकर व अन्य परिवारीजन रात घर के बरामदे में भैंस को बांधकर अंदर सोने चले गए। रात करीब 2 बजे जब परिजन दरवाजा खोलने लगे तो बाहर से बंद था। पड़ोसी को आवाज देने के बाद जब दरवाजा खुला और बाहर आकर देखा तो घर के बाहर बरामदे में बंधी लगभग 50 हजार कीमत की भैंस गायब थी।

अधिवक्ताओं के हित की अनदेखी बर्दाश्त नहीं-रामबहाल वर्मा

कादीपुर (सुल्तानपुर), अधिवक्ताओं के हितों की अनदेखी नहीं होने पाएगी। वादकारी को न्याय मिल सके, इसलिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। यह बात कादीपुर अधिवक्ता संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष रामबहाल वर्मा ने कहीं। वे कल वकीलों का आभार व्यक्त कर रहे थे। विदित हो कि कल हुए बार एसोसिएशन के चुनाव में कुल 295 मत पड़े जिसमें अध्यक्ष पद पर रामबहाल वर्मा को 152 मत व रमेश प्रकाश सिंह को 141 मत प्राप्त हुए। सचिव पद के लिए प्यारेलाल को 183 तथा अरुण वर्मा को 111 मत मिले। अध्यक्ष सचिव के अतिरिक्त अन्य पदाधिकारियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामबहाल वर्मा तथा सचिव पद पर प्यारे लाल के अतिरिक्त शेष पदों वरिष्ठ उपाध्यक्ष राघवराम पांडेय, मध्यम उपाध्यक्ष पद पर- इन्द्रेश तिवारी व सुरेश चन्द्र कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए- मनोज कुमार व शिवप्रकाश मिश्र सह सचिव प्रशासन पद पर संतोष कुमार श्रीवास्तव सह सचिव कल्याण निधि- अशोक कुमार पांडेय तथा सह सचिव पुस्तकालय - अजय कुमार मिश्र कोषाध्यक्ष पद के लिए अवनीश कुमार सिंह व सदस्य वरिष्ठ कार्यकारिणी पद पर- अशोक कुमार उपाध्याय प्रथम अशोक कुमार उपाध्याय द्वितीय इन्द्रजीत वर्मा जनार्दन प्रसाद मिश्र रमेश कुमार त्रिपाठी व वेद प्रकाश शर्मा तथा सदस्य कनिष्ठ कार्यकारिणी पद पर- अंगद, जयकृष्ण पांडेय, धर्मराज द्विवेदी, मंगला प्रसाद श्रीवास्तव, सुरेश नारायन यादव, शैलेश मिश्र को प्रमाणपत्र दिया गया।

भूमि विवाद में मारपीट

सलेमपुर (देवरिया) कोतवाली थाना क्षेत्र के धनौती लाला में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इसमें दोनों पक्ष के दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर ले जाया गया जहां स्थिति गंभीर होने पर एक घायल को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। धनौती लाला गांव में करीब एक वर्ष से दिव्यांग राजनाथ की जमीन पर गांव के ही कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर उस पर निर्माण कार्य किया जा रहा था। इसको लेकर दिव्यांग संगठन ने तहसील परिसर में कई बार धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद भी प्रशासन द्वारा कब्जा नहीं हटाया गया। मंगलवार को विवादित जमीन पर निर्माण कार्य चल रहा था। इसी बीच दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। दोनों तरफ से ईंट-पत्थर और लाठियां चलने लगीं। इसमें एक पक्ष के राजनाथ तथा दूसरे पक्ष के रामाश्रय चौहान गंभीर रूप से घायल हो गये। एक घंटे तक दोनों पक्षों की महिलाएं और अन्य सदस्य हंगामा करते रहे। मारपीट की सूचना सौ नंबर पर पुलिस को दी गयी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

किशोर ने घर में फांसी लगाकर दी जान

बस्ती, वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के पुर्सिया गांव में चाचा व बाबा के साथ रह रहे किशोर सूर्यप्रकाश ओझा (१४) पुत्र लक्ष्मण ओझा ने रात घर में फांसी लगा कर जान दे दी। उसके बायें हाथ की नस भी कटी मिली। मौके पर पहुंची वाल्टरगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुर्सिया गांव निवासी किशोर सूर्यप्रकाश रात अपने कमरे में सोने चला गया। सुबह जब वह नहीं जगा तो घर के लोगों को चिंता हुई। उन्होंने उसे आवाज लगाई, फिर भी कमरे से कोई जवाब नहीं मिला। परिजन उसके कमरे में पहुंचे और दरवाजे को खोला तो उनके मुंह से चीख निकल गई। कमरे में किशोर का शव छत की कुंडी से रस्सी के सहारे लटक रहा था। परिजनों ने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव उतरवाया तथा पंचनामा करने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि सूर्य प्रकाश के माता-पिता बस्ती रहते हैं। शाम को वह भोजन आदि कर कमरे में सोने चला गया। इसी बीच रात में पिता का फोन आया तो उन्होंने किसी बात पर उसे डांट दिया था। संभवतः इसी बात से नाराज होकर उसने फांसी लगाई है। फांसी लगाने से पहले उसने अपने बांये हाथ की नस काटकर भी जान देने की कोशिश की। दिवंगत चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था।

बिजली कनेक्शन देने में सुस्ती पर भड़के मंडलायुक्त

अहरौरा (मिर्जापुर), जमालपुर विकास खंड के मुख्यमंत्री समग्र विकास ग्राम दादों में कल मंडलायुक्त मुरली मनोहर लाल ने चौपाल लगाकर गांव में हो रहे विकास कार्यों को देखा और वहां सभी ग्रामीणों को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी भी दी। इस मौके पर सौभाग्य योजना के तहत बिजली कनेक्शन देने में की जा रही देरी पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इस काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चौपाल के दौरान मंडलायुक्त ने कई निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवासों को भी देखा। साथ ही सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की कार्ययोजना की जानकारी दी। बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता ने चौपाल में जानकारी दी कि गांव में कुल 94 लोगों को बिजली कनेक्शन दिया गया है। इस पर मंडलायुक्त नाराज हुए और बोले कि बिजली कनेक्शन देने में कोई लापरवाही क्षम्य नहीं है।

अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही गांव में कैंप लगाकर सौभाग्य योजना के तहत बिजली कनेक्शन दे दिया जायेगा। चौपाल के दौरान गांव में लगभग 2110 मीटर खड़ंजा पंचायती राज से लगवाने की जानकारी पंचायती राज अधिकारी ने दी। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि गांव में एक प्राथमिक एवं एक पूर्व माध्यमिक विद्यालय स्थित है। जिसमें ड्रेस, किताबें, नव प्रवेश लेने वाले बच्चों को बैग दिया जा चुका है। तीन कंप्यूटर लगाने की योजना है, जल्दी लगा दिया जायेगा। गांव में सफाईकर्मी के न आने की शिकायत जब ग्रामीणों ने की तो सीडीओ प्रियंका निरंजन ने इसकी जांच करवाने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया। मंडलायुक्त ने भी कहा कि जो भी गांव में आवास एवं शौचालय आया है, उसका निर्माण सभी लोग समय से करें। नहीं तो दूसरी किस्त जारी नहीं हो पाएगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी छत्रपाल सिंह यादव, बीडीओ हेमंत कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता एके सिंह, इलाहबाद बैंक के जिला प्रबंधक आलोक कुमार सिन्हा, खंड शिक्षा अधिकारी जमालपुर प्रदीप कुमार मिश्रा समेत जिले के समस्त विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लूट का विरोध करने पर युवक को मारी गोली

कटरा (प्रतापगढ़), जेठवारा थाना के गंभीरा गांव में पिता से लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने युवक को गोली मार दिया। घायल युवक को इलाहाबाद रेफर कर दिया गया। जिस युवक को गोली मारी गई है, उसके नवजात बेटे के निकासन पर बुधवार को कार्यक्रम था। मढ़ना (गंभीरा) गांव निवासी हरिश्चंद्र पटेल ने स्टेट बैंक कटरा गुलाब सिंह से 10 हजार रुपए निकाला। वह पैसा लेकर घर जा रहा था। जैसे ही वह गांव के पास पहुंचा, तभी अपाची से आए तीन बदमाश उससे पैसा छीनने लगे। इतने में पास में खेत में चरी काट रहा हरिश्चंद्र पटेल का बेटा उमेश पटेल (२८) दराती

लेकर दौड़ पड़ा और तीनों बदमाशों से भिड़ गया। इस बीच मारपीट के दौरान बदमाशों ने उमेश को गोली मार दिया। ग्रामीणों के दौड़ने पर बदमाश भाग गए। सूचना पर हंड्रेड डायल पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल भेजा। उमेश के साहस से पैसा लुटने से बच गया। घटना के बाद जेठवारा पुलिस ने घेरेबंदी की, लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं लग सका। घायल उमेश को इलाहाबाद रेफर कर दिया गया।

बिजली की दुर्व्यवस्था देख औड़ी मोड़ पर किया जाम

अनपरा (सोनभद्र), ऊर्जांचल पूरे प्रदेश को बिजली देता है लेकिन, इन दिनों यहां की जनता ही बिजली को लेकर सड़क पर उतरने को मजबूर हो गई है। बिजली व्यवस्था सही नहीं होने के कारण आक्रोशित लोगों ने कल औड़ी मोड़ के पास वाराणसी-शक्तिनगर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। जिससे पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। पिछले दो महीने से बिजली की दुर्व्यवस्था से परेशान सुभाषनगर

वासियों का धैर्य जवाब दे गया और सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। इससे पहले सर्व समाज कल्याण समिति की अगुवाई में ग्रामीणों की समिति के कार्यालय पर बैठक हुई और औड़ी ग्राम सभा के सुभाषनगर बस्ती में बिजली आपूर्ति बहाल किए जाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। समिति के अध्यक्ष केदारनाथ राम के मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से चक्का जाम करने का निर्णय हुआ। उसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। जाम की सूचना के बाद आनन-फानन में मौके पर पहुंचे अनपरा थानाध्यक्ष शैलेष राय ने ने समिति के पदाधिकारियों और बिजली विभाग के अवर अभियंता के बीच वार्ता कराई, जिसमें अवर अभियंता विमलेश सिंह ने आश्वासन दिया कि आज से गांव में बिना रूकावट बिजली आपूर्ति बहाल करा दी जाएगी।

बदहाली के कगार पर पहुंचा जमालपुर का एएनएम सेंटर

बैरिया (बलिया), सरकारी धन का दुरुपयोग व शासन की मंशा पर पानी फिरता देखना हो तो बैरिया तहसील के ग्राम पंचायत जमालपुर में देखा जा सकता है। यहां लाखों की लागत से नवनिर्मित एएनएम सेंटर बिना प्रयोग के बदहाली के कगार पर पहुंच चुका है। देखरेख के अभाव व विभागीय उपेक्षा के चलते भवन का दरवाजा, खिड़की या तो टूट गए हैं, अथवा गायब हो चुके हैं। बाउंड्रीवाल भी टूट रही है। मुख्य दरवाजे का एक हिस्सा गायब है। यह भवन बने कई वर्ष हो रहे हैं लेकिन अभी तक उपयोग विहीन है। जमालपुर आयुर्वेदिक अस्पताल के पास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटवां अंतर्गत बना यह एएनएम सेंटर काफी समय पहले ही पूर्ण हो चुका था किंतु अभी तक इसकी जानकारी यहां के स्वास्थ्य कर्मियों को नहीं थी कि यह विभाग को हैंडओवर हुआ भी है या नहीं। केंद्र में न ही कोई स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ बैठता है और न ही कोई स्वास्थ्य संबंधित सामग्री ही उपलब्ध है। प्रसव पीड़ित महिलाओं को नाना प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है, बावजूद इसके जिम्मेदार आंख मूंदे बैठे हैं। उपेक्षा के चलते भवन की हालत दिनों दिन दयनीय होती जा रही है। स्थिति यह है कि एएनएम सेंटर के चारों तरफ बड़े-बड़े झाड़-झंखाड़ उग आए हैं और जहरीले जीवों का अड्डा बन गया है।

जर्जर भवन में शिक्षा ले रहे प्राथमिक स्कूल के बच्चे

सिद्धार्थनगर, ३५ वर्ष पूर्व बने प्राथमिक विद्यालय मल्हवार का भवन जर्जर है। आधा हिस्सा गिर चुका है। फर्श का प्लास्टर उखड़ चुका है। दीवारों पर गड्ढे हो गए हैं। छत गिरने की स्थिति में पहुंच गई है। बारिश होने पर कमरों में पानी टपकता है। परिसर में जलभराव होने के कारण बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्राथमिक विद्यालय मल्हवारे का भवन जर्जर स्थिति में है।

बच्चों को पढ़ने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कक्षा में बच्चों को बैठ कर पढ़ने में हमेशा जोखिम बना रहता है। विद्यालय की छत जर्जर अवस्था में पहुंच गई है। परिसर में जलभराव के कारण बच्चों को पानी से होकर गुजरना पड़ता है। विद्यालय में पंजीकृत बच्चों की संख्या 110 है। भवन की जर्जरता के कारण अभिभावक बच्चों को विद्यालय में भेजने से कतराते है। अभिभावक अशोक कुमार, बुधराम यादव, कूददन यादव, सजनु पंडित, धुपड़ी भारती, मनिकराम गुप्ता, प्रताप आदि ने कहा कि विद्यालय का भवन कब गिर जाए कोई पता नहीं। जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे है। बारिश में कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। भवन की मरम्मत नहीं कराई गई तो बच्चों को भेजना ही बंद कर देंगे। प्रभारी प्रधानाध्यापक रामसकल ने कहा कि कई बार बीएसए, एसडीआई को सूचना दी गई। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। बच्चों पर खतरा बना रहता है। ग्राम प्रधान प्रेमचंद्र मिश्रा ने कहा कि विद्यालय की स्थिति दयनीय है।

बकरी के चक्कर में खूनी संघर्ष, अधेड़ की मौत

सुजानगंज(जौनपुर), सुजानगंज थाना क्षेत्र के छदान गांव में बकरी को रास्ते से

लेकर जाने को लेकर दो पक्षों में जमकर खूनी संघर्ष हुआ। इस घटना में एक अधेड़ की मौत हो गई,

४ लोग घायल

जबकि चार लोग गंभीर रुप से घायल हैं। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है। कल सुबह सीता लाल सरोज (५०) के घर के बच्चे सड़क से बकरी लेकर चराने जा रहे थे। वहीं दूसरे पक्ष के देव नारायण घर के लोग बकरी से नुकसान होने की बात कहते हुए रास्ते से बकरी ले जाने का विरोध करने लगे। आरोप है कि इसी दौरान विरोधी पक्ष के लोगों ने एक बच्चे की पिटाई कर दी। इसकी जानकारी होने पर सीता लाल सरोज और उनके परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। बात बढ़ने पर दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष शुरू हो गया। मारपीट के दौरान एक पक्ष से सीत लाल सरोज, जीतलाल व अच्छे लाल तो दूसरे पक्ष से देव नारायण व अमर नाथ घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहा चिकित्सकों ने जीत लाल सरोज को इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। घटना से गांव में काफी तनाव है, फिलहाल मृतक के परिवार के लोग घायलों को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे हैं। यहीं पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। सुरक्षा वजहों से पुलिस ने गांव में सतर्कता बढ़ा कर मारपीट मामले की जांच शुरु कर दी है।

भदारी कला में तेंदुए की दहशत

लालगंज (प्रतापगढ़), लालगंज के कलाभदारी गांव में तेंदुआ होने की आहट से दूसरे दिन भी ग्रामीणों में हड़कम्प मचा रहा। लाठी, डंडा लेकर लोग गांव के हर ओर तेंदुआ की तलाश करते रहे, लेकिन तेंदुआ कहीं नजर नहीं

आया। ग्रामीणों का दावा है कि बीते दो तीन दिनों से रात में तेंदुआ आता है और भोर होते ही कहीं छिप जाता है। लालगंज कोतवाली के कलाभदारी शिव प्रसाद का पुरवा गांव में तेदुआ आने को लेकर ग्रामीणों में खौफ बना हुआ है। कल गांव स्थित एक जर्जर कच्चे खपरैल के मकान पर चढ़कर तेंदुआ के बैठे होने व उसके बोलने की आवाज सुनाई पड़ने को लेकर ग्रामीणों व वनकर्मियों ने घंटों छानबीन किया था, लेकिन तेंदुआ कहीं नजर नहीं आया। सुबह गांव समीप पेड़ पर दो तेंदुआ के बैठे होने का फिर शोर मचा। गांव के रिंकू व विकास की मानें तो सुबह शौच जाते समय उन्होंने गांव समीप के एक पेड़ पर दो तेंदुआ को देखा। हल्ला गुहार मचाते दोनों गांव की ओर भागे। ग्रामीण लाठी, डंडा लेकर तेंदुए की छानबीन में निकल पड़े। आसपास के गांव के ग्रामीण भी पहुंचे और तेंदुए की तलाश करने लगे। प्रधान रामराज वर्मा ने पटाखे मंगाकर फोड़े, जिससे छिपा तेंदुआ पटाके की आवाज से बाहर निकले। लेकिन सुबह से दोपहर तक की छानबीन के बाद भी तेंदुआ कहीं नजर नहीं आया। उधर गांव में तेंदुआ होने की खबर को वन विभाग की टीम खारिज कर रही है लेकिन ग्रामीणों में तेंदुए का खौफ बना हुआ है।

सांड़ के हमले से शिक्षक स्वास्थ्य कर्मचारी घायल

जौनपुर, छुट्टा सांड़ों का आतंक कम होने की बजाए बढ़ता ही जा रहा है। खेतों और सड़कों पर सांड़ यमराज बनकर घूम रहे हैं। इनके हमले से अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ा भर लोग घायल हो चुके हैं। छुट्टा सांड़ ने अलग-अलग स्थानों पर शिक्षक राम जानकी इंटर कालेज के डा कीर्ति सिंह और स्वास्थ्य कर्मचारी को हमलाकर घायल कर दिया। इसमें स्वास्थ्य कर्मचारी की हालत नाजुक देख जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया है। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के लपरी निवासी अब्बास अहमद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहरावां में तैनात हैं। वे रात में भोजन करने के बाद बाइक से अस्पताल जाने के लिए निकलें। कोयरीडीहा बाजार के समीप पहुंचे थे कि छुट्टा सांड़ ने हमला बोल दिया। इससे वे बाइक समेत गिर गए। आस-पास के लोगों ने पुलिस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

अमराईवाडी, बापूनगर, चांदलोडिया में हत्या

अहमदाबाद : हत्या की तीन घटना से सनसनी फैली

अमराईवाडी में किरायेदार द्वारा महिला मकान मालिक की हत्या : बापूनगर, चांदलोडिया में युवक की हत्या

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में दिन प्रतिदिन गुनाहों का प्रमाण बढ़ रहा है । आज शहर के अलग अलग इलाकों में तीन हत्या की घटनाएं हुई है । जिसके चलते पुरे शहर में सनसी फैल गई है । हत्या की बढ़ती घटनाओं को लेकर प्रशासन और पुलिस टीम में भी भागदौड हो गई है । अमराईवाडी इलाके में पिछले चार दिन से लापता महिला मकान मालिक की हत्या कर दी गई है । चांदलोडिया इलाके में एक युवक की गला काटकर हत्या कर दी गई है । बापूनगर में एक मित्र ने अन्य एक मित्र की हत्या कर दी है । हत्या की तीन घटनाओं को लेकर सनसनी फैल गई है ।

मिली जानकारी के मुताबिक अमराईवाडी इलाके में किराए पे रहनेवाले व्यक्ति ने मकान मालिक पर ज्वलनशील पदार्थ का उपयोग कर के हत्या कर दी है । पुलिस ने इस मामले में जांच शुरु कर दी है । आज सुबह अमराईवाडी इलाके में स्थित महालक्ष्मी अपार्टमेंट में रहनेवाली महिला मकान मालिक का शव बरामद हुआ । यह महिला पिछले चार दिन से गुम थी । परिवार के लोग खोज बीन कर रहे थे । किराये पर रहनेवाले व्यक्ति के पास किराया लेने तब ही उनकी हत्या की गई होने की जानकारी खुलकर आई है । हत्या में ज्वलनशील पदार्थ का उपयोग किये जानेकी आशंका दिख रही है । किरायेदार हत्या को अंजाम देने के बाद फरार हो गया था । इस गुनाह में एक से अधिक लोग शामिल होने की भी शंका पुलिस को लग रही है । जिसके चलते पुलिस जांच कर रही है ।

शहर के बापूनगर लीलानगर इलाके में मुकेश पटनी नाम के युवक की भी हत्या कर दी गई है । यह युवक की हत्या अन्य ओर ने नहीं बल्कि मित्र ने ही कर दी है । साधारण बात को लडाई होने के बाद इस हत्या को अंजाम दिया गया है । पुलिस ने इस संबंध में एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है । इसी प्रकार शहर के चांदलोडिया इलाके में रहनेवाले और घर पर कपड़ों पर प्रेस करने का काम करनेवाले दिलीप पंचाल नाम के युवक की हत्या कर दी गई है । दिलीप पंचाल अपनी पत्नी और एक पुत्री के साथ चांदलोडिया विस्तार में रहता था । कल सुबह से वह घर पर नहीं था । सुबह तक घर नहीं आने पर परिवार के लोगों ने जांच शुरु की थी । पुलिस को भी बताया गया था । अधिक जांच करने के बाद जगतपुर के एक खेत में से इस व्यक्ति की लाश मिली है । तीनो ही मामले में पुलिस अपनी तरह से जांच कर रही है ।

सूरत । एस.एम.सी द्वारा नानपुरा में बहुमाली बिल्डींग के पास रोड़ किनारे लगी लारीयों को हटाते क्रमचारी।

क्राइम कॉन्फरन्स में पुलिस अफसर रहेंगे

मुख्यमंत्री रुपाणी की आज अफसरों के साथ मिटींग

कानून और व्यवस्था, शराबबंदी को ओर कड़े रुप में लागू करने, त्यौहारों को लेकर विशेष चर्चा की जाएगी

अहमदाबाद । गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी कल गुरुवार के दिन राज्य के सभी जिला पुलिस प्रमुख, सभी रेंज के अधिकारी, रेंज के आईजी, डीआईजी और डीजीपी समेत राज्य के अलग अलग विभागो के प्रमुखो के साथ क्राइम कोन्फरन्स करेंगे । महत्वपूर्ण क्राइम कॉन्फरन्स में राज्य की कानून और व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की जाएगी । इसके अलावा जरुरी अभिप्राय भी व्यक्त किए जाएंगे । राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति और अधिक मजबूत करने के इरादे के साथ यथ मिटींग का आयोजन किया गया है । कानून और व्यवस्था को असरकारक बनाने के

लिए और अधिक कड़े फैसले होने की भी संभावना दिख रही है । मुख्यमंत्री की क्राइम कॉन्फरन्स को लेकर राज्य के गृह राज्य मंत्री प्रदिपसिंह जाडेजा ने आज बुधवार को उच्च पुलिस अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की । लोकसभा के चुनाव अगले साल होने है । यह चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में पहुंचेगे तब चुनाव को ध्यान में लेते हुए राज्य सरकार ने दो चरण में १०० से अधिक पुलिस अफसरो की बदली और बढ़ती के आदेश किये थे । गुजरात में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी पहलीबार मुख्यमंत्री बने तब पुलिस अफसरों के साथ क्राइम कॉन्फरन्स की थी अब दिसरी बार कल सुबह १०.३० बजे स्वर्णिम संकुल-१ में यह बैठक होनी है ।

जिसमें सभी पुलिस के अफसर उपस्थित रहेंगे । दारुबंदी को कठोर रुप से लागू करने पर भी विचारणा की जाएगी । इसके अलावा त्यौहारो की शुरुआत हो रही है तब इसे लेकर भी चर्चा की जाएगी । मुख्यमंत्री के समक्ष पुलिस के अलग अलग अधिकारी अपनी ओर से जरुरी आंकड़े भी प्रस्तुत करेंगे । मुख्यमंत्री के साथ होने वाली मिटींग को लेकर पुलिस अफसर पहले से ही तैयारिया कर चुके है ।

रिजर्वेशन टिकिट बुकिंग सेवा २-३ अगस्त को बंद

सुरत । मुंबई की यात्री आरक्षण प्रणाली तकनीकी कारणों से दो और तीन अगस्त को कुछ समय के लिए बंद रहेगी । इस दौरान यात्री रिजर्वेशन टिकिट बुक नहीं कर सकेंगे । सूत्रों के अनुसार सेंटर फॉर रेलवे इनफॉर्मेशन सिस्टम्स द्वारा २ अगस्त को दोपहर से मध्य रात्रि तक स्विच ओवर प्रक्रिया तथा लोड टेस्टिंग को सरल एवं कारगर बनाने के लिए ऑनलाइन मुंबई पीआरएस डिजास्टर रिकवरी (डीआर) ड्रिल की योजना बनाई गई है । तकनीकी अपग्रेडेशन २ अगस्त की दोपहर २.१५ बजे से ३ अगस्त रात १.२० बजे

तक होगा । डिजास्टर रिकवरी साइट के लिए मुंबई पीआरएस की शिफ्टींग होगी । इस दौरान दोपहर २.१५ बजे से ३.१५ बजे तक सभी पीआरएस सेवाएं उपलब्द नहीं रहेंगी तथा यह सिकंदराबाद की डीआर साइट पर शिफ्ट होगी । दोपहर ३.१५ बजे से रात ११.४५ बजे तक सभी पीआरएस सेवाए उपलब्ध रहेगी । रात ११.४५ बजे से रात १.२० बजे तक सभी पीआरएस सेवाए डीआर साइट से डीसी साइट की ओर एप्लिकेशन की शिफ्टिंग के कारण उपलब्ध नहीं रहेंगी । रात १.२० बजे से सभी पीआरएस सेवाएं उपलब्ध हो जाएगी ।

चार मंदिरों पर चढ़ाई जा रही ४०० किलो सोने की परत

अहमदाबाद । गुजरात के चार मंदिरों पर सोने की परत चढ़ाने की तैयारी की जा रही है । इन पर कुल ४०० किलो सोना चढ़ाया जाएगा, जिसकी कुल लागत लगभग १२० करोड़ रुपये आएगी । इसी क्रम में प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर के मुख्य शिखर पर १४० किलोग्राम सोना चढ़ाया जाएगा । बताया जा रहा है कि भाद्रपद महीने की पूर्णिमा पर यहां आयोजित होनेवाले मेले से पहले यानी १५ अगस्त से पहेल यह काम पूरा हो जाएगा । इस पर्व पर लगभग १५ लाख लोग यहां दर्शन करने आते हैं । श्री अरासुरी अंबाजी माता देवस्थान ट्रस्ट के संचालक एस जी चावड़ा ने कहा, मंदिर की ऊंचाई १०८ फीट है ।

लॉ गार्डन का खाने-पीने का बाजार हमेशा के लिए बंद

लॉ गार्डन के खाने-पीने बाजार पर एएमसी ने बुलडोजर चलाया

अहमदाबाद । शहर की अलग पहचान वाले पश्चिम क्षेत्र के प्रसिद्ध लॉ गार्डन की खाने-पीने के बाजार पर बुधवार को एएमसी का प्रशासन पहुंच गया । म्युनिसिपल कमिशनर विजय नेहरा के मार्गदर्शन के तहत बुधवार को सुबह में पश्चिम जोन की एस्टेट विभाग की टीम जेसीबी मशीन के साथ यह खाने-पीने के बाजार पर पहुंची और कुछ ही घंटों में लॉ गार्डन क्षेत्र में वर्षों पुराने खाने-पीने के बाजार के सभी इकाई के शेड, टेबल-कुर्सी तथा रोड पर विभिन्न प्रकार के अतिक्रमणों को हटाने पर अभियान चलाने पर पूरा क्षेत्र और शहरभर में भारी सनसनी मच गई थी । क्योंकि लॉ गार्डन शहरीज

नों के लिए खाने-पीने का लोकप्रिय स्थल था । जहां लोग घूमने के साथ खाने-पीने का मजा लेते थे । लेकिन अब बुधवार से एएमसी प्रशासन ने हमेशा के लिए लॉ गार्डन के खाने-पीने का बाजार बंद कर दिया गया है । लॉ गार्डन का खाने-पीने का बाजार हटा देने पर खाने-पीने के शौखिन लोगों में नाराजगी फैल गई । म्युनिसिपल प्रशासन द्वारा ट्राफिक नियम के मामले में एक के बाद एक सख्त कदम उठाये जा रहे है । हाईकोर्ट की नाराजगी की वजह से प्रशासन सक्रिय हो गया है शहरभर में फैले हुए खाने-पीने के बाजार से गंदगी के अलावा अतिक्रमणों का प्रश्न हमेशा लोगों को परेशान करता रहा है । जिसके कारण कमिशनर नेहरा ने खाने-पीने के बाजार को भी यातायात लचीलापन के लिए निशाना बनाया गया था । बुधवार को सुबह में १० बजे लॉ गार्डन के प्रसिद्ध खाने-पीने के बाजार पर प्रशासन अचानक पहुंच गया । यह खाने-पीने के बाजार में ओनेस्ट, अजय, अशरफी सहित के ४९ यूनिट चल रहे थे । यह खाने-पीने के यूनिट द्वारा बड़े प्रमाण में रोड पर टेबल कुर्सी लगाते होने से सुबह शाम ट्राफिक की समस्या काफी गंभीर बन रही थी । इसी वजह से प्रशासन द्वारा खाने-पीने के बाजार पर अतिक्रमणों को हटाने का कामकाज शुरू किया गया ।

एलिसब्रिज ओरियेन्टल क्लब में पानीपूरी की स्पर्धा का आयोजन किया गया ।

पशुपालकों के पास से ९७.४९ लाख का जुर्माना वसूला गया

अहमदाबाद । म्युनिसिपल प्रशासन द्वारा हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों की वजह से गत अगस्त-२०१७ से शहर के मार्गों पर आवारा पशुओं को पकड़कर ढोरवाडा में डालने के लिए 'ऑपरेशन राउन्ड धी क्लोक' शुरू किया गया है । ट्राफिक के मामले में हुई पीआईएल के संदर्भ में आवारा पशु के मामले में हाईकोर्ट में अक्सर प्रशासन को फटकार लगायी है अब आवारा पशुओं की समस्या का समाधान लाने के लिए म्युनिसिपल प्रशासन द्वारा आगामी दिनों में सख्त कार्रवाई करने की संभावना है । वित्तीय वर्ष २०१७-१८ में आवारा पशु के पशुपालकों के पास से एएमसी द्वारा ९७.४९ लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है, जो रकम आगामी दिनों में उल्लेखनीय रूप से बढ़े ऐसी संभावना है । म्युनिसिपल प्रशासन द्वारा पकड़े गये पशु का जुर्माना, भोजन और प्रशासनिक चार्ज में तीन गुना वृद्धि संकेत करती नये प्रस्ताव की वजह से काफी होने लगी है । गत वित्तीय वर्ष २०१७-१८ में पशुपालकों के पास से ९७.४९ लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है यह जानकारी मिली है जो रकम उपरोक्त नये प्रस्ताव को शासक भाजपा की मंजूरी मिलने से हर वर्ष तीन करोड़ रुपये को पार कर जाए ऐसी संभावना है । । म्युनिसिपल प्रशासन के आवारा पशु विभाग द्वारा गत वित्तीय वर्ष २०१७-१८ में कुल १४,६९९ पशुओं को पकड़ा गया था, जिसमें से ३४५९ पशुओं को उनके मालिकों के पास से जुर्माना, भोजन और प्रशासनिक चार्ज वसूल करके छोड़ दिया गया था तो ७१५९ पशु पांजरापोल में भेजा गया । वित्तीय वर्ष २०१८-१९ में गत २३ जुलाई, २०१८ की स्थिति तक प्रशासन द्वारा पशु के मालिकों के पास से २९.६३ लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया । जबकि इस समय अवधि में प्रशासन द्वारा सिर्फ ४४०७ पशु पकड़े गये यानी कि हररोज ३९ पशु को पकड़ने का काम किया गया । हालांकि कमिशनर विजय नेहरा के आदेश की वजह से अब हररोज १०० पशु पकड़ने की दिशा में कवायद शुरू की गई है ।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com